University in News on 09 June 2024

JAGRAN CITY PAGE III

दमा से बचाव के लिए बताए आसन

लवि के योग फैकल्टी में योगाभ्यास करते लोग ● सौजन्य से लवि

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फार योग साइंसेज के तत्वावधान में रविवार को योग हाल में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया।

सुबह छह बजे से हुए इस शिविर में दमा से बचाव करने वाले आसन और प्राणायाम के बारे में अभ्यास कराया गया। समन्वयक डा. अमरजीत यादव ने बताया कि दमा के लिए हस्तउत्तानासन, अर्धकटिचक्रासन, गोमुखासन, भुजंगासन, सर्पासन के साथ-साथ भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम लाभकारी हैं। शिविर का संचालन डा. राम किशोर ने किया। सुबह नौ बजे से योग से संबंधित निबंध प्रतियोगिता भी हुई। इसमें फैकल्टी के सीमा यादव, वसुधा तिवारी, कुमार अजय, आयुष शर्मा, श्वेता श्रीवास्तव, सपना कश्यप, श्वेतालिका, सुखेंद्र सिंह, ममता मिश्रा, अर्चना वर्मा, प्रिया मिश्रा आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

एलयू ने शुरू किया रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और अपने शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक जीवंतता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पहल दुनिया भर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों का स्वागत करती है ताकि वे अत्याधुनिक शोध में शामिल हो सकें, अपनी विशेषज्ञता साझा कर सकें और विश्वविद्यालय में गतिशील शैक्षणिक वातावरण में योगदान दे सकें।

रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय संकाय, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक जीवन में कम से कम तीन महीने की अवधि के लिए शामिल होने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य एक सहयोगी वातावरण बनाना है जहाँ आने वाले शोधकर्ता स्थानीय संकाय और छात्रों के साथ मिलकर काम कर सकें, सेमिनार और कार्यशालाओं में भाग ले सकें और विश्वविद्यालय के शोध लक्ष्यों में योगदान दे सकें। आवेदकों के पास पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव होना चाहिए और उन्हें भारत के बाहर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, संस्थानों या उद्योगों से संबद्ध होना चाहिए। इसके लिए प्रस्तावित परियोजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और अपेक्षित परिणामों को रेखांकित करते हुए एक सुपरिभाषित शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। इसके अतिरिक्त, आवेदकों को अपने प्रवास के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्यापन और मार्गदर्शन में संलग्न होना होगा। आगंतुक शोधकर्ताओं को अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य आवश्यक शोध सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त होगी। विश्वविद्यालय आने वाले शोधकर्ता को आवास और आकस्मिक अनुदान प्रदान करेगा। शोधकर्ताओं से अपेक्षा की जाएगी कि वे ठोस शोध आउटपुट तैयार करें, अकादमिक समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ें और सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लें।

पूरे वर्ष होंगे आवेदन स्वीकार

आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे और प्रस्तावित निवास अवधि से कम से कम छह महीने पहले जमा किए जाने चाहिए। मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि, शोध उत्कृष्टता का सिद्ध रिकॉर्ड और लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध प्राथमिकताओं के साथ संरेखित प्रस्तावों वाले आवेदकों को वरीयता दी जाएगी। यह पहल अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता और बौद्धिक आदान-प्रदान के केंद्र के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की जीवंतता को बढ़ाने और हमारे अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क को बढ़ाने और हमारे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संकाय के संपर्क में लाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हमारे अकादमिक मूल्य को मजबूत करने में मदद करेगा और अंतरराष्ट्रीयकरण के साथ-साथ अकादमिक प्रतिष्ठा के मामले में रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने में भी हमारी मदद करेगा।

PIONEER PAGE 3

एलयू में योगाभ्यास शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश एवं मार्गदर्शन में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योग साइंसेज के तत्वाधान में फैकल्टी के योग हाल में रविवार को योगाभ्यास शिविर का आयोजन प्रात: 6 बजे से किया गया। दमा से बचाव के लिए कौन से आसन और प्राणायाम लाभदायक हैं, इनका अभ्यास प्रतिभागियों को कराया गया। को-ऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि दमा के लिए हस्तउत्तानासन, अर्धकटिचक्रासन, गोमुखआसन, भुजंगासन, सर्पासन उपयोगी हैं। तथा भ्रामरी प्राणायाम, उद्गीथ प्राणायाम, अनुलोम- विलोम प्राणायाम लाभकारी हैं। शिविर का संचालन डॉक्टर रामकिशोर के द्वारा किया गया। प्रात: 9 बजे से योग से संबंधित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें फैकल्टी के सीमा यादव, वसुधा तिवारी, कुमार अजय, आयुष शर्मा, श्वेता श्रीवास्तव, सपना कश्यप, श्वेतालिका, सुखेंद्र सिंह, ममता मिश्रा, अर्चना वर्मा, प्रिया मिश्रा आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम की घोषणा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने अभिनव रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है,जिसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और अपने शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक जीवंतता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पहल दुनियाभर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों का स्वागत करती है ताकि वे अत्याधुनिक शोध में शामिल हो सकें। अपनी विशेषज्ञता साझा कर सकें और लविवि में गतिशील शैक्षणिक वातावरण में योगदान दे सकें। रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय संकाय, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव के साथ लविवि के शैक्षणिक जीवन में कम से कम तीन महीने की अवधि के लिए शामिल होने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य एक सहयोगी वातावरण बनाना है जहां आने वाले शोधकर्ता स्थानीय संकाय और छात्रों के साथ मिलकर काम कर सकें,सेमिनार और कार्यशालाओं में भाग ले सकें तथा विवि के शोध लक्ष्यों में योगदान दे सकें। आवेदकों के पास पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव होना चाहिए और उन्हें भारत के बाहर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, संस्थानों या उद्योगों से संबद्ध होना चाहिए। इसके लिए प्रस्तावित परियोजना के उद्देश्यों,कार्यप्रणाली और अपेक्षित परिणामों को रेखांकित करते हुए एक सुपरिभाषित शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा, आवेदकों को अपने प्रवास के दौरान लविवि में अध्यापन और मार्गदर्शन में संलग्न होना होगा। आगंतुक शोधकर्ताओं को अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य आवश्यक शोध सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त होगी। विवि आने वाले शोधकर्ता को आवास और आकस्मिक अनुदान प्रदान करेगा। शोधकर्ताओं से अपेक्षा की जाएगी कि वे ठोस शोध आउटपुट तैयार करें, अकादमिक समुदाय के साथ

सक्रिय रूप से जुड़ें और सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लें। आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे और प्रस्तावित निवास अवधि से कम से कम छह महीने पहले जमा किए जाने चाहिए। मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि, शोध उत्कृष्टता का सिद्ध रिकॉर्ड और लविवि की शोध प्राथमिकताओं के साथ संरेखित प्रस्तावों वाले आवेदकों को वरीयता दी जाएगी। यह पहल अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति विवि की प्रतिबद्धता और बौद्धिक आदान-प्रदान के केंद्र के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करती है। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा कि यह कार्यक्रम विवि की जीवंतता को बढ़ाने और हमारे अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क को बढ़ाने और हमारे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संकाय के संपर्क में लाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हमारे अकादमिक मूल्य को मजबूत करने में मदद करेगा और अंतरराष्ट्रीयकरण के साथ-साथ अकादमिक प्रतिष्ठा के मामले में रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने में भी हमारी मदद करेगा।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू के योग हाल में योगाभ्यास शिविर लगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योग साइंसेज के तत्वाधान में फैकल्टी के योग हाल में योगाभ्यास सुबह शिविर लगा। शिविर में दमा से बचाव के लिए कौन से आसन और प्राणायाम लाभदायक हैं जैसे अभ्यास कराएं गए। को-ऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि दमा के लिए हस्तउत्तानासन, अर्धकटिचक्रासन, गोमुखआसन, भुजंगासन, सर्पासन उपयोगी हैं। तथा भ्रामरी प्राणायाम, उद्गीथ प्राणायाम, अनुलोम- विलोम प्राणायाम लाभकारी हैं। सुबह शिविर का संचालन डॉ रामकिशोर के द्वारा किया गया। योग से संबंधित निबंध प्रतियोगिता हुई। फैकल्टी के सीमा यादव, वसुधा तिवारी, कुमार अजय, आयुष शर्मा, श्वेता श्रीवास्तव, सपना कश्यप, श्वेतालिका, सुखेंद्र सिंह, ममता मिश्रा, अर्चना वर्मा, प्रिया मिश्रा आदि छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

लोकसत्य